होर्मुज से जहाजों की निकासी का प्रयास

खाड़ी देशों की यात्रा पर विदेश मंत्री, तेल और एलपीजी लदे नौ टैंकरों को होर्मुज स्ट्रेट से निकालने के लिए ईरान से संपर्क में

अर्चिस मोहन

भारत पिछले कुछ दिनों में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों के नेतृत्व के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कतर, बहरीन और कुवैत की यात्राएं की हैं और इस सप्ताह वह ओमान जाने वाले हैं।

भारत ईरानी अधिकारियों के साथ भी संपर्क में है ताकि तेल और तरल पेट्रोलियम गैस से लदे नौ टैंकरों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकाल सके। पश्चिम एशिया में लाखों भारतीय काम करते हैं। यह क्षेत्र भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बुधवार सुबह अमेरिका और ईरान के बीच लड़ाई भड़कने से होर्मुज स्ट्रेट के जरिये ईंधन आपूर्ति फिर से शुरू करने के प्रयास प्रभावित हो सकते हैं और जहाजों तथा नाविकों की सुरक्षा भी अनिश्चित हो गई है। मंगलवार के हमलों के कुछ ही घंटों बाद भारत सहित कई ठिकानों की ओर जा रहे छह जहाजों ने पार करने की कोशिश की। रिपोर्टों के अनुसार भारत के ध्वज वाला कम से कम एक सुपर टैंकर लीला वाडिनार ओमान के मुसंदम प्रायद्वीप के किनारे तक पहुंचने के बाद लौट गया।

बुधवार को अमेरिका ने ईरानी तेल की बिक्री को अधिकृत करने वाला लाइसेंस यह कहते हुए रद्द कर दिया कि उसने होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमले किए थे। इसके जवाब में अमेरिका ने ईरान पर मिसाइल हमले किए। इसके बाद प्रतिशोध में ईरान ने बहरीन और कुवैत पर हमले किए। यह परस्पर लड़ाई ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई के अंतिम संस्कार के दौरान हुई जो गुरुवार को समाप्त होगा। खामनेई ने 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के एक हमले में जान गंवाई थी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर 13 जुलाई को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कार्यकाल 2028-29 के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करेंगे। होर्मुज स्ट्रेट के पास फंसे भारत के नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, उनकी प्राथमिकता है। जून में अमेरिकी सेना ने भारतीय नाविकों वाले कम से कम तीन जहाजों पर हमला किया था, जिसमें एक भारतीय की मौत हो गई थी। इसके चलते विदेश मंत्रालय ने जून में 48 घंटे के भीतर दो बार अमेरिकी चार्ज डी अफेयर (राजदूत की गैरमौजूदगी में दूतावास संभालने वाले अधिकारी) जेसन मिक्स को तलब किया था। बुधवार सुबह विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कुवैत के शहजादे शेख सबाह अल-खालिद अल-सबाह से मुलाकात की और दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। एक सोशल मीडिया पोस्ट में जयशंकर ने खाड़ी क्षेत्र के घटनाक्रम पर अपने विचार साझा करने के लिए कुवैती शहजादे का धन्यवाद किया। दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों तथा पश्चिम एशिया के हाल के घटनाक्रम पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से युवराज को शुभकामनाएं दीं। कुवैत के विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने भारत और कुवैत के बीच ऐतिहासिक संबंधों तथा विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

उन्होंने कुवैत के विदेश मंत्री शेख जर्राह जाबिर अल-अहमद अल-सबाह से भी मुलाकात की और क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श किया। बयान में कहा गया है कि विदेश मंत्री जयशंकर ने कुवैत के अपने समकक्ष शेख जर्राह जाबेर अल-अहमद अल-सबाह से भी मुलाकात की और दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत और विकसित करने के तरीकों पर चर्चा की। पोस्ट में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर भी चर्चा की। कुवैत के विदेश मंत्री ने जयशंकर और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में दोपहर के भोजन का भी आयोजन किया। मंगलवार को जयशंकर ने कुवैत के उप-विदेश मंत्री हमद सुलेमान मशान अल-मशान से भी भेंट की। वह मंगलवार को ही कुवैत पहुंचे थे और हवाई अड्डे पर उनका स्वागत उप विदेश मंत्री हमद सुलेमान मशान अल-मशान ने किया। मंगलवार को जयशंकर ने बहरीन में उप-प्रधानमंत्री खालिद बिन अब्दुल्ला अल खलीफा से पश्चिम एशिया की स्थिति पर बातचीत की।

उन्होंने बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा और शहजादे एवं प्रधानमंत्री सलमान बिन हमद अल खलीफा से भी मुलाकात की। जयशंकर ने बहरीन के राजा को वहां रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुललतीफ बिन राशिद अल जयानी से भी मुलाकात की। इससे पहले सप्ताह के आरंभ में जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क, सुरक्षा और लोगों के बीच आपसी संबंधों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की और रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के नए अवसरों पर चर्चा की। कतर के प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया संघर्ष और उसके प्रभाव पर अपने आकलन जयशंकर के साथ साझा किए। *(साथ में एजेंसियां)*

विदेश मंत्री एस जयशंकर और कुवैत के शहजादे शेख सबाह अल-खालिद अल-सबाह

कूटनीतिक प्रयास

- नए सिरे से अमेरिकी हमलों के बाद भारत के ध्वज वाला एक सुपर टैंकर लीला वाडिनार ओमान के मुसंदम प्रायद्वीप के किनारे तक पहुंचने के बाद लौट गया
- पश्चिम एशिया संकट के बीच जीसीसी के सदस्य देशों से बातचीत कर रहा भारत
- कतर, कुवैत और बहरीन के नेताओं से मिले विदेश मंत्री
- विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर चल रही है चर्चा

अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी ने मिस्र के खिलाफ अपनी टीम को शानदार वापसी दिलाई!

'मंदिर के संरक्षण के लिए इंडोनेशिया का आभार'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सांस्कृतिक विरासत के महत्त्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों के लोगों को आपस में जोड़ती है। उन्होंने प्रम्बानन मंदिर परिसर की 'विशाल विरासत' को संरक्षित रखने के लिए इंडोनेशिया और वहां के लोगों का धन्यवाद किया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल का दौरा करने के दौरान अपने भाषण में उन्होंने कहा कि प्रम्बानन मंदिर परिसर के लिए एक संयुक्त संरक्षण परियोजना के उद्‌घाटन का हिस्सा बनना उनके लिए सम्मान की बात है।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में इंडोनेशियाई नेता को 'मित्र राष्ट्रपति प्रबोवो' की संज्ञा दी और मंदिर परिसर में दोनों नेताओं के दौरे के समय उनके बीच गर्मजोशी वाला जुड़ाव दिखाई दिया। उन्होंने रस्मी तौर पर हाथ मिलाया, वहां उपस्थित लोगों की तरफ हाथ हिलाया और मंदिर के दौरे के समापन के समय एक-दूसरे को गले लगाया। मोदी ने कहा कि 'मित्र, राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ इस जगह आने से यह अवसर मेरे लिए खास बन गया है।'

सदियों पुराना प्रम्बानन मंदिर परिसर योग्यकर्ता शहर से करीब 17 किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित है। दसवीं सदी में निर्मित इस मंदिर को इंडोनेशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर माना जाता है। मोदी ने कहा, 'मैंने सुना है कि यहां की हवाओं में संस्कृति की खुशबू है। यह वही खुशबू है जिसे हम हर पल भारत की मिट्टी में महसूस करते हैं। यह खुशबू, यह सांस्कृतिक विरासत हमें जोड़ती है।'

जकार्ता के प्रम्बानन मंदिर में पूजा अर्चना करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री ऑस्ट्रेलिया पहुंचे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में बुधवार को ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। मोदी इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे साथ ही भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के तुरंत बाद 'एक्स' पर लिखा, 'ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न पहुंच गया हूं। यह यात्रा भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक साझेदारी को नयी ऊर्जा प्रदान करेगी।' **भाषा**

कीटनाशकों पर बनी फिल्म से नाराजगी

संजीव मुखर्जी

'सतलुज' के बाद एक और फिल्म ने रिलीज होने से पहले ही भारतीय दर्शकों के एक तबके को नाराज कर दिया है। 'इंडिया स्टोरी: स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेस' नामक यह फिल्म मिट्टी में अत्यधिक प्रयोग होने वाले कीटनाशकों और हानिकारक रसायनों के मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को दर्शाती है। मगर इस फिल्म पर पौध संरक्षण उद्योग की कड़ी प्रतिक्रिया मिल रही है। काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अभिनीत यह फिल्म बताती है कि हानिकारक कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग किए जाने से किस प्रकार वे फल एवं सब्जियों के जरिये खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर कैंसर जैसी घातक बीमारियां पैदा करती हैं।

कुछ रिपोर्टों के अनुसार, यह फिल्म केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से मंजूरी का इंतजार कर रही है और 24 जुलाई, 2026 को रिलीज होने वाली है। एग्रो केम फेडरेशन ऑफ इंडिया ने सीबीएफसी के चेयरपर्सन शशि शेखर वेम्पति को लिखे एक पत्र में 'द इंडिया स्टोरी: स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेस' फिल्म के ट्रेलर की जांच करने का आग्रह किया है। एसीएफआई देश के लगभग 85 फीसदी एग्रो केमिकल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है। उसका आरोप है कि ट्रेलर बिना पुष्टि वाले और वैज्ञानिक रूप से अप्रमाणित दावे करता है जो आधुनिक कृषि को कैंसर, मृत्यु दर और खाद्य सुरक्षा जोखिमों से जोड़ता है।

फूड ऑन ट्रेन सेवा 180 शहरों में

फूड डिलिवरी और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी के 'फूड ऑन ट्रेन' नेटवर्क का विस्तार देश के 180 शहरों तक हो गया है। यह जानकारी देते हुए कंपनी ने बताया कि इस वर्ष अप्रैल-जून के दौरान पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में ऑर्डरों में तीन गुना वृद्धि हुई है। स्विगी की यह सेवा यात्रियों को ट्रेन यात्रा के दौरान फूड ऑर्डर करने और तयशुदा रेलवे स्टेशन पर उसे पहुंचाने की सुविधा देती है। स्विगी के अनुसार, मल्टी-स्टेशन यात्राओं (जहां एक ही यात्री ने एक ही पीएनआर पर दो या अधिक स्टेशनों पर फूड ऑर्डर किया) में पिछले साल की तुलना में 300 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। ऐसे यात्री, जो केवल एक स्टेशन पर ऑर्डर करते हैं, उनकी तुलना में लगभग 2.2 गुना अधिक खर्च कर रहे हैं। *बीएस*

सिडबी
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
विज्ञापन संख्या 02/ 2026-27
Great Place To Work. Certified

संविदा के आधार पर विशेषज्ञ अधिकारी की नियुक्ति (पूर्णकालिक) – 2026-27

सिडबी, एमएसएमई क्षेत्र के लिए प्रधान वित्तीय संस्थान, पूर्णकालिक संविदा के आधार पर निम्नलिखित पदों के लिए पात्र और उपयुक्त उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:-

क्रम सं	पद	पोस्ट कोड	कुल रिक्तियां	आरक्षित रिक्तियाँ: अना	ईडब्ल्यूएस	अपिव	अजा	अजजा	पीडब्ल्यूबीडी (वीआई)
1	उत्पाद एवं नीति प्रबंधन प्रबंधक (पीएमपीपी)	01	01	01	-	-	-	-	01*

पूर्ण आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि **29 जुलाई, 2026** है। विस्तृत विज्ञापन जिसमें पात्रता मानदंड, पारिश्रमिक, चयन प्रक्रिया आदि और आवेदन पत्र शामिल हैं, सिडबी की वेबसाइट **www.sidbi.in** में कैरियर और भर्ती अनुभाग, पर उपलब्ध हैं। कोई भी संशोधन सिडबी की वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

*अधिक जानकारी के लिए कृपया विस्तृत विज्ञापन देखें।

pib insurance brokers
PROTECT YOUR BUSINESS WITH CONFIDENCE
Comprehensive insurance solution for SMEs, corporates and property
LIABILITY & FINANCIAL LINES INSURANCE
PROPERTY & FIRE INSURANCE
EMPLOYEE BENEFITS & GROUP INSURANCE
GMC - Group Medical Cover
GPA - Group Personal Accident
GTL - Group Term Life Insurance
ENGINEERING & INDUSTRIAL RISK INSURANCE
MARINE & LOGISTICS INSURANCE
MOTOR & FLEET INSURANCE
MISCELLANEOUS INSURANCE SOLUTIONS
WHY CHOOSE US
Customized Solutions
Competitive Premiums
Dedicated Risk Advisory
Expert Claim Support
CONTACT US
info@pibinsurance.in
9820006729
www.pibinsurance.in

पहली बार क्रेडिट कार्ड प्रयोग करने वालों में आधे जेन-ज़ी

आतिरा वारियर

देश में क्रेडिट कार्ड बाजार में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। ट्रांसयूनियन सिबिल की एक रिपोर्ट से इसका अंदाजा आराम से लगाया जा सकता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में पहली बार क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल शुरू करने वालों में आधे 'जेनरेशन जेड' (जेन-ज़ी) यानी नई एवं डिजिटल पीढ़ी से हैं और लगभग आधे कस्बाई और ग्रामीण बाजारों से आते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यह देश के क्रेडिट कार्ड बाजार में दिख रहा बड़ा बदलाव है क्योंकि बड़े शहरों के बाहर रहने वाले युवा ग्राहक और उधार लेने वाले लोग अब अधिक से अधिक औपचारिक ऋण ले रहे हैं।

'बियॉन्ड द स्वाइप 2026: हाऊ इंडिया यूसेज कार्ड ऐज अ क्रेडिट इंस्ट्रूमेंट' शीर्षक नाम से इस रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च 2026 तक पहली बार क्रेडिट कार्ड लेने वाले ग्राहकों में 50 प्रतिशत की उम्र 30 साल या उससे कम थी जबकि मार्च 2022 में यह आंकड़ा 43 प्रतिशत था। साथ ही, पहली बार कार्ड लेने वालों में से 46 प्रतिशत कस्बाई और ग्रामीण बाजारों से थे जबकि चार साल पहले यह आंकड़ा 42 प्रतिशत था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रेडिट कार्ड अब केवल शहरी एवं अमीर उधारकर्ताओं तक सीमित नहीं हैं बल्कि युवा ग्राहक और बड़े शहरों के बाहर रहने वाले लोग भी तेजी से औपचारिक ऋण प्रणाली का हिस्सा बन रहे हैं। पिछले दशक में भारत का क्रेडिट कार्ड बाजार तेजी से बढ़ा है। क्रेडिट कार्ड धारकों की संख्या मार्च 2016 में 1.4 करोड़ से बढ़कर मार्च 2026 में 3.6 गुना होकर 5.2 करोड़ हो गई जबकि सक्रिय क्रेडिट कार्ड की संख्या पांच गुना बढ़कर 10.7 करोड़ हो गई।

ट्रांसयूनियन सिबिल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) भावेश जैन ने कहा, 'भारत में क्रेडिट कार्ड बाजार में काफी परिपक्वता आई है और पिछले 10 वर्षों में इसमें जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, अगर पिछले कुछ वर्षों पर नजर डालें तो ऋण चुकाने में (क्रेडिट परफॉर्मेंस) में काफी सुधार के बावजूद बैलेंस और कार्ड धारकों की संख्या के मामले में क्रेडिट कार्ड बाजार में उतनी बढ़ोतरी नहीं हो रही है।' उन्होंने बताया कि क्रेडिट कार्ड का मुकाबला व्यक्तिगत ऋण, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और दूसरे उत्पादों के लिए उपलब्ध ऋणों से होता है और क्रेडिट कार्ड की तुलना में दूसरे खुदरा उत्पादों में काफी अधिक बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दस वर्षों में क्रेडिट कार्ड बाजार के बढ़ने के साथ कार्डधारक के पास कई तरह के ऋण उत्पाद (क्रेडिट प्रोडक्ट) भी आने लगे। मार्च 2016 में उपभोग आधारित ऋण खातों में एक्टिव क्रेडिट कार्ड की हिस्सेदारी 56 प्रतिशत थी जो वर्ष 2026 में घटकर 38 प्रतिशत रह गई। इसी दौरान, उपभोग-आधारित क्रेडिट बैलेंस में कार्ड बैलेंस की हिस्सेदारी भी 36 प्रतिशत से घट कर 26 प्रतिशत हो गई।

हालांकि, इतनी तेजी से बढ़ने के बावजूद भारत में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल अभी भी काफी कम है। मार्च 2026 तक ऋण लेने वाले सक्रिय उपभोक्ताओं में केवल 25 प्रतिशत के पास क्रेडिट कार्ड था जबकि ब्रिटेन में यह आंकड़ा 70 प्रतिशत, कोलंबिया में 62 प्रतिशत और हॉन्ग कॉन्ग में 98 प्रतिशत था। इससे पता चलता है कि इसमें विस्तार की काफी गुंजाइश है।

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि पहली बार कार्ड इस्तेमाल करने वाले कई लोग अब केवल क्रेडिट कार्ड के जरिये ही औपचारिक ऋण व्यवस्था (क्रेडिट सिस्टम) में शामिल नहीं हो रहे हैं। नए क्रेडिट कार्ड उपभोक्ताओं में लगभग 25 प्रतिशत के पास पहला क्रेडिट कार्ड लेने से पहले ही तीन या उससे अधिक सक्रिय ऋण उत्पाद थे। इससे पता चलता है कि कार्ड अक्सर मौजूदा क्रेडिट पोर्टफोलियो में जोड़े जा रहे हैं, न कि वे उपभोक्ता के पहले औपचारिक ऋण योजना हैं। युवा कर्जधारकों में यह रुझान और भी साफ दिखता है। 24-30 साल की उम्र वाले जेन-ज़ी उपभोक्ताओं में लगभग एक-तिहाई के पास वर्ष 2024 में पहला क्रेडिट कार्ड लेने से पहले ही कम से कम दो सक्रिय ऋण खाते थे।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) Punjab & Sind Bank (A Govt. of India Undertaking)

अंचल: द्वितीय तल, भारतीय स्टेट बैंक के पास, नयापुरा, कोलार रोड, अकबरपुर, मेन कोलार रोड, भोपाल -462042
फोन : 0755-4249988, 4243700, 4203836

ई-नीलामी विक्रय सूचना

QR CODE FOR SERVICE PROVIDER

अचल संपत्ति की बिक्री के लिए ई-नीलामी के लिए सार्वजनिक सूचना दिनांक 31.07.2026 को दोपहर 12 बजे से दोपहर 2 बजे तक

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन (SARFAESI) अधिनियम, 2002 (2002 की संख्या 54) के अंतर्गत बैंक को गिरवी रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री। जबकि, पंजाब और सिंध बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन (SARFAESI) अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत जारी नोटिस के अनुसार हमारी शाखा में निम्नलिखित ऋण खातों में निम्नलिखित संपत्ति/संपत्तियों का कब्जा ले लिया है, जिन्हें बैंक के बकाया की वसूली के लिए 'जैसा है, जहां है और जैसा है, के आधार पर' बेचने का अधिकार है। बिक्री https://www.Baanknet.com पर उपलब्ध कराए गए ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा की जाएगी।

अचल संपत्ति का विवरण

क्र. सं.	शाखा / खाते / ऋणी / जमानतदारों के नाम	संपत्ति का विवरण	मांग सूचना दिनांक एवं बकाया राशि (रु.) +भविष्य में देय ब्याज एवं अन्य खर्च	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि	Qr Code For Property Image/video	Qr Code For Property Location
1.	पन्नीलाल चौक सतना शाखा, ऋणी-श्री मोहम्मद अकरम पुत्र मोहम्मद जफीर जमानतदार- श्री अंशुल पांडे पुत्र नारायण दत्त पांडे	आवासीय फ्लैट क्रमांक 102, प्रथम तल, ए ब्लॉक सर्वे क्रमांक 116/1, मौजा बम्हनगवां, पीएच क्रमांक 52, बरदाडीह वार्ड क्रमांक 06, सर्किल सतना ब्लॉक सोहावल, तहसील-रघुराजनगर जिला सतना मध्य प्रदेश संपत्ति की चर्तुसीमाएं: पूर्वः श्री जैन का मकान, पश्चिमः कॉमन गैलरी क्षेत्र, उत्तरः फ्लैट क्रमांक 101, दक्षिणः खुला क्षेत्र। कब्जे का प्रकार - भौतिक कब्जा	दिनांक :10.07.2024 ₹ 27,15,564.47/- + दि. 01.07.2024 से देय ब्याज एवं अन्य खर्च	₹ 31,00,000/- / ₹ 3,10,000/- / ₹ 31,000/-		
2.	इटारसी शाखा : इटारसी ऋणी/बंधककर्ता: 1. मेसर्स सिहोते ट्रेडर्स उनके पार्टनर्स (i) उमेश सिहोते पुत्र रमेश प्रसाद सिहोते (i) श्री जितेंद्र सिहोते पुत्र रमेश प्रसाद सिहोते 2. श्री विजेंद्र सिहोते पुत्र रमेश प्रसाद जमानतदार-1. श्री रोहित शर्मा पुत्र श्री नरेंद्र शर्मा	निर्मित मकान के साथ प्लाट स्थित डायवर्टेड खसरा नं. 125,126,128/1,128/2, 128/3, 128/4, एवं 128/5, लेआउट प्लाट नं. 01, क्षेत्रफल- 1600 वर्गफिट, मौजा मेहरगांव, टाउन वार्ड नं. 18, इटारसी, संपत्ति की चर्तुसीमाएं- उत्तर-प्लाट नं. 02, दक्षिण- श्रीमती अलका अग्रवाल की भूमि, पूर्व- अन्य की भूमि, पश्चिम- प्रस्तावित भूमि कब्जे का प्रकार - भौतिक कब्जा	दिनांक: 21.07.2022 ₹ 6,38,270.79 + दिनांक 01.09.2021 से देय ब्याज एवं खर्च	₹ 11,73,000/- / ₹ 1,17,300/- / ₹ 11,730/-		
3.	होशंगाबाद रोड शाखा, भोपाल ऋणी- 1. मेसर्स क्लियर इमेजिंग मेडिकल सिस्टम प्रा. लि. फ्लैट नंबर 103, प्रथम तल, जीवन विहार अपार्टमेंट, ब्लॉक-बी कोटरा सुल्तानाबाद मेन रोड के अंदर, एपेक्स बैंक के पास, वार्ड नंबर 28, तहसील हुजूर, जिला- भोपाल पिन कोड 462003 2. श्री रवि अवस्थी, एम-8, सेक्टर 2बी, साकेत नगर, भोपाल (म.प्र.), 462024 3. श्री प्रशांत मिश्रा पता-1: फ्लैट नंबर 803, आठवीं मंजिल, ब्लॉक-बी, जीवन विहार अपार्टमेंट, कोटरा सुल्तानाबाद, मेन रोड के अंदर, अपेक्स बैंक के पास, वार्ड नंबर 28, तहसील हुजूर, जिला- भोपाल- 462003 पता-2: 184 ए सेक्टर, इंद्रपुरी तह. हुजूर जिला भोपाल (म.प्र.) 462023 4. श्री शरद जैन, पता-1: बी-31, प्रियदर्शिनी कॉलोनी फेस-1, संत आसाराम नगर, बाग सेवनिया, तह. हुजूर जिला-भोपाल (म.प्र.) 462043 5. सुश्री रश्मी अवस्थी पता-1: फ्लैट नंबर 803, आठवीं मंजिल, ब्लॉक-बी, जीवन विहार अपार्टमेंट, कोटरा सुल्तानाबाद, मेन रोड के अंदर, अपेक्स बैंक के पास, वार्ड नंबर 28, तहसील हुजूर, जिला-भोपाल-462003 पता-2: 184 ए सेक्टर, इंद्रपुरी तह. हुजूर जिला-भोपाल (म.प्र.) 462023 6. सुश्री नेहा मिश्रा पता-1:- 184 ए सेक्टर, इंद्रपुरी तह. हुजूर, जिला-भोपाल (मप्र) 462023 7. सुश्री सुधा जैन, पता-2: बी-31, प्रियदर्शनी कॉलोनी, फेस-1, संत आसाराम नगर, बाग सेवनिया, तह. हुजूर, जिला-भोपाल (म.प्र.) 462043	संपत्ति 1: फ्लैट नंबर 103, पहली मंजिल, जीवन विहार अपार्टमेंट, ब्लॉक-बी कोटरा सुल्तानाबाद मेन रोड के अंदर, अपेक्स बैंक के पास, वार्ड नंबर 28 तहसील हुजूर, जिला-भोपाल-462003, चर्तुसीमाएं- उत्तरः अपेक्स बैंक कॉलोनी, पश्चिमः फ्लैट नंबर 102-बी, पूर्वः फ्लैट नंबर 104-बी, दक्षिणः फ्लैट नंबर 110-बी	दिनांक: 08.07.2024 ₹ 32,51,443.65 + दिनांक 01.09.2021 से देय ब्याज एवं खर्च	₹ 26,26,000/- / ₹ 2,62,600/- / ₹ 10,000/-		
		संपत्ति 2: फ्लैट नंबर 803, आठवीं मंजिल, ब्लॉक-बी, जीवन विहार अपार्टमेंट कोटरा सुल्तानाबाद मेन रोड के अंदर, अपेक्स बैंक के पास, वार्ड नंबर 28 तहसील हुजूर, जिला-भोपाल- 462003, चर्तुसीमाएं- उत्तरः एपेक्स बैंक कॉलोनी, पश्चिमः फ्लैट नंबर 802-बी, पूर्वः फ्लैट नंबर 804-बी, दक्षिणः फ्लैट नंबर 810-बी कब्जे का प्रकार : सांकेतिक		₹ 20,66,000/- / ₹ 2,06,600/- / ₹ 10,000 /-		

संपत्ति निरीक्षण दिनांक एवं समय : 29.07.2026 (सुबह 10.00 से दोपहर 3.00 बजे तक) ईएमडी एवं दस्तावेज जमा करने की दिनांक 30.07.2026 दोपहर 6.00 बजे तक

बोलीदाताओं द्वारा ईएमडी को ई-नीलामी पोर्टल अर्थात www.Baanknet.com/ पर उपलब्ध कराए गए अपने वॉलेट में एनईएफटी के माध्यम से स्थानांतरित किया जाएगा।
खाते का विवरण जिसमें ईएमडी के बाद शेष राशि एनईएफटी के माध्यम से जमा की जानी है: , खाते का नाम- एनईएफटी पार्किंग खाता; खाता संख्या- 80215040070003; आईएफएस कोड- PSIB0008021
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया https://punjabandsindbank.co.in/module/sarfaesi-list & https://www.Baanknet.com देखें
इस नोटिस को नियम 8(6) प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन), नियम 2002 के तहत ऋणियों एवं जमानतदारों (एल/आर) को 15 दिनों की वैधानिक बिक्री नोटिस के रूप में भी माना जाना चाहिए।

प्राधिकृत अधिकारी का नाम एवं सम्पर्क : श्री पंकज मोबाइल नं. + 91 9911305172 (सतना शाखा)
प्राधिकृत अधिकारी का नाम एवं सम्पर्क : श्री कुंदन मिश्रा मोबाइल नं. + 91 7896756869 (इटारसी शाखा)
प्राधिकृत अधिकारी का नाम एवं सम्पर्क : श्री रवि कुमार सोनी मोबाइल नं. + 91 8054053078 (होशंगाबाद रोड शाखा)

दिनांक : 08.07.2026 स्थान- भोपाल प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब एण्ड सिंध बैंक